ikB 5

नदी यहाँ पर

नदी यहाँ पर मुड़ती है
फिर चलती ही जाती है
चलते–चलते सागर को
आख़िर में वह पाती है
मिलती लंबी राह उसे
देती है सबको पानी
सींच–सींचकर खेतों को
फसल बनाती है धानी
चलती किसी जगह सीधी
टेढ़ी होती कहीं–कहीं
लहर उठाती जाती है
लेकिन थकती कहीं नहीं
कहीं करारों में छिपती
मैदानों में आती है
खेल खेलती लुकाछिपी
बिलकुल ही खो जाती है
बहुत तेज़ थी पर्वत पर
लेकिन नीचे जब आई

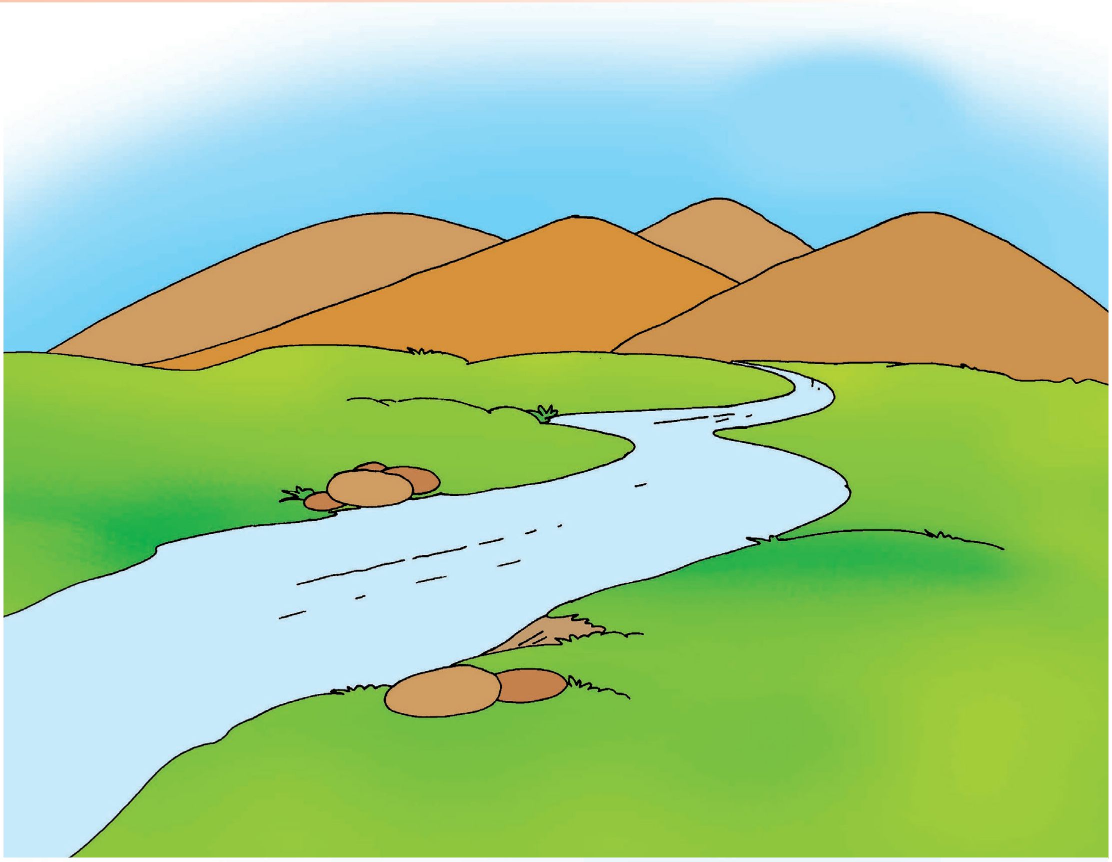

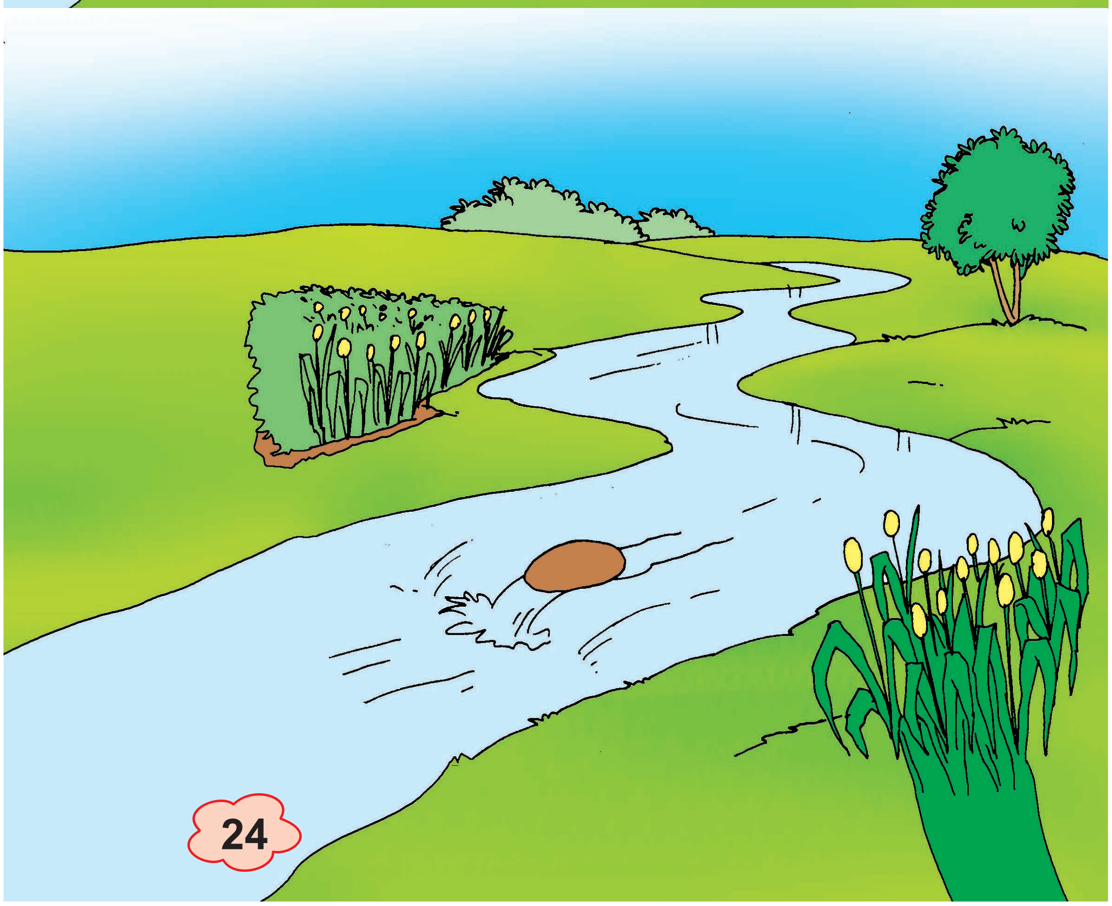

धीमी–धीमी चाल हुई
जैसे थककर सुस्ताई
पानी बिखराती जाती
हरियाली फैलाती है
चाहे जितना पानी लो
मन में बुरा न लाती है
किसे पता है, आई कब
मगर रहेगी चलती ही
एक दिये सी जगरमगर
सदा रहेगी जलती ही
सागर में मिल जाने पर
फिर बन जाती है सागर
तब तक चलती रहती है
रात और दिन धरती पर।

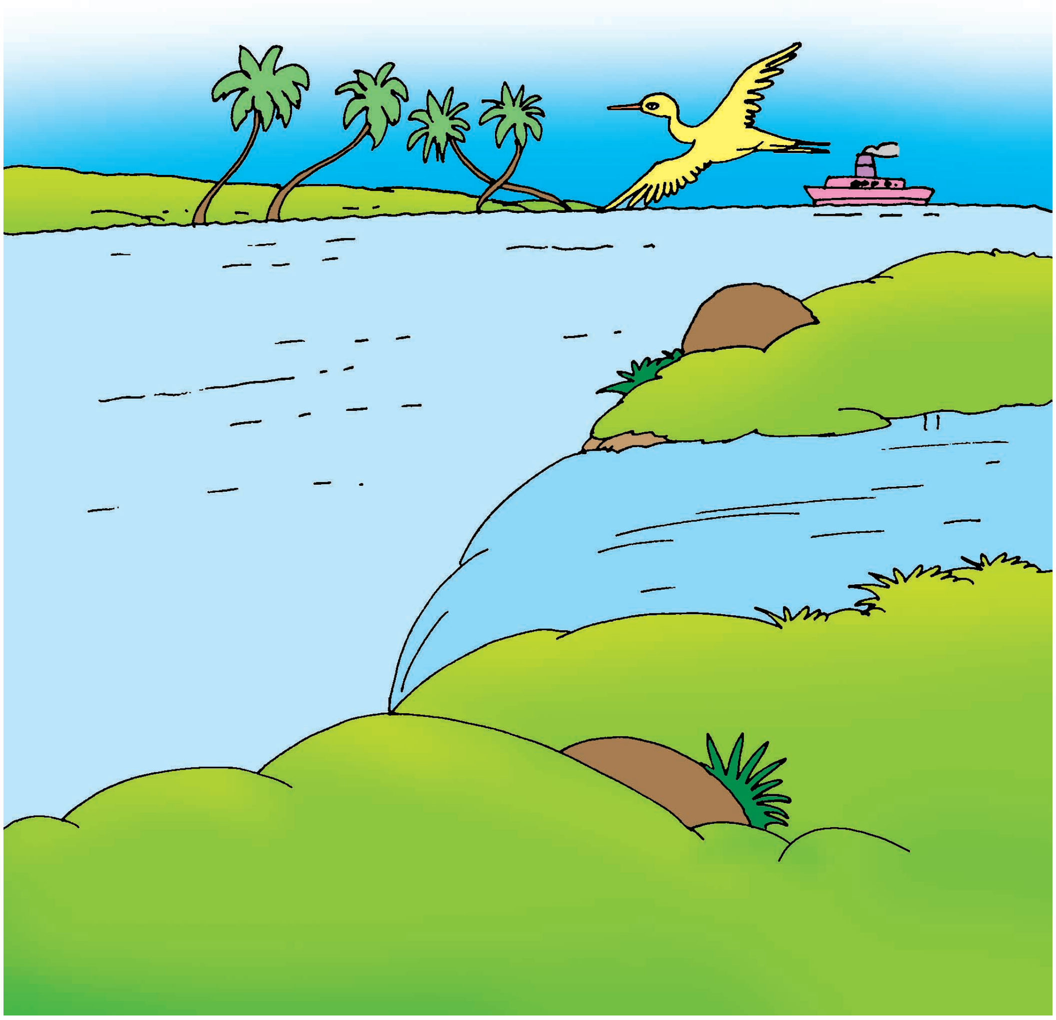

–डॉ0 श्रीप्रसाद

अभ्यास

1- vkb,] ‘kCnk dk vFkZ tkus &

- जगरमगर – जगमग
- सागर – समुद्र
- सींचकर – सिंचाई करके
- सुस्ताई – आराम किया

2- dfork ls &

(क) नदी अंत में कहाँ पहुँचती है ?

____

(ख) फसलों के लिए नदी का क्या महत्त्व है?

____

(ग) नदी किसमें छिप जाती है ?

____

(घ) नदी की चाल कहाँ पर तेज और कहाँ धीमी होती है ?

____

(ङ) नदी फिर से सागर कैसे बन जाती है?

____

3- vkidh ckr &

(क) आपने कभी नदी/नहर अथवा बहता पानी देखा होगा। उसका वर्णन करें।

(ख) नदियाँ मनुष्य के लिए किस प्रकार से उपयोगी हैं ? आपस में चर्चा करें।

(ग) क्या आपने कभी नाव में बैठकर नदी की सैर की है, यदि हाँ, तो अपने अनुभव का वर्णन कीजिए।

4- dfork ls vkxs &

(क) भारत के मानचित्र में गंगा, यमुना, और इनकी सहायक नदियों के उद्गम स्थल को देखें और उनके तट पर बसे हुए पाँच प्रमुख नगरों के नाम लिखें।

(ख) मिलान करें–

- संगम — नदी का किनारा
- डेल्टा — पहाड़ों के नीचे वह क्षेत्र जिसमें नदी पत्थरों में छिप जाती है
- उद्गम — नदी के आस–पास का वह क्षेत्र जिसमें बरसात के दिनों में पानी भर जाता है।
- कगार — जहाँ दो नदियाँ मिलती हैं।
- कछार — नदी जहाँ समुद्र में मिलने से पहले गाद(कीचड़) जमा कर देती है।
- भाँभर — पत्थरों में छिपी हुई नदी जिस क्षेत्र में पुनः प्रकट होती है और दलदल का निर्माण करती है।
- तराई — नदी जहाँ से निकलती है।

(ग) दी गई वर्ग पहेली में भारत की प्रमुख नदियों के नाम छिपे हैं, इन्हें ढूँढ़ें और लिखें–

य	मु	ना	कृ	ष्णा	गो
का	वे	री	न	र्म	दा
व्या	सिं	झे	चि	ना	व
स	त	ल	ज	गं	री
ता	प्ती	म	श्रा	गा	वी

5- Hkk"kk dh ckr &

(क) नदी चलती है।　　नदी उछलती है।　　नदी बहती है।
नदी गिरती है।　　नदी मिलती है।　　नदी मुड़ती है।

चलना, उछलना, बहना, गिरना, मिलना, मुड़ना ये सभी क्रियाएँ हैं इनसे किसी काम के होने का पता चलता है। आप कौन–कौन सी क्रियाएँ करते हैं, सोचें और लिखें–

______________　　______________

______________　　______________

______________　　______________

(ख) कुछ शब्द ऐसे हैं जो पूरे वाक्य का अर्थ देते हैं, जैसे अमर – जो कभी न मरता हो। ऐसे ही कुछ वाक्य/वाक्यांश नीचे दिए गए हैं। आप उनके लिए एक–एक शब्द लिखें –

- जो दिखाई न दे – ____________________
- दिखने और छिपने का खेल – ____________________
- जिसे जीता न जा सके – ____________________
- जिसे मिटाया न जा सके – ____________________
- जहाँ धरती और आकाश मिलते हुए से प्रतीत होते हैं – ____________________
- जिसकी उम्र लंबी हो – ____________________
- जो सब कुछ जानता है – ____________________

(ग) कुछ शब्द एक–दूसरे का विपरीत अर्थ देते हैं जैसे आगे का पीछे, ऊपर का नीचे इन्हें विलोम शब्द कहते हैं। नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखें –

छिपना – ____________________

चलना – ____________________

टेढ़ा – ____________________

मोटा – ____________________

दिन – ____________________

सुंदर . – ____________________

आगे – ____________________

कल – ____________________